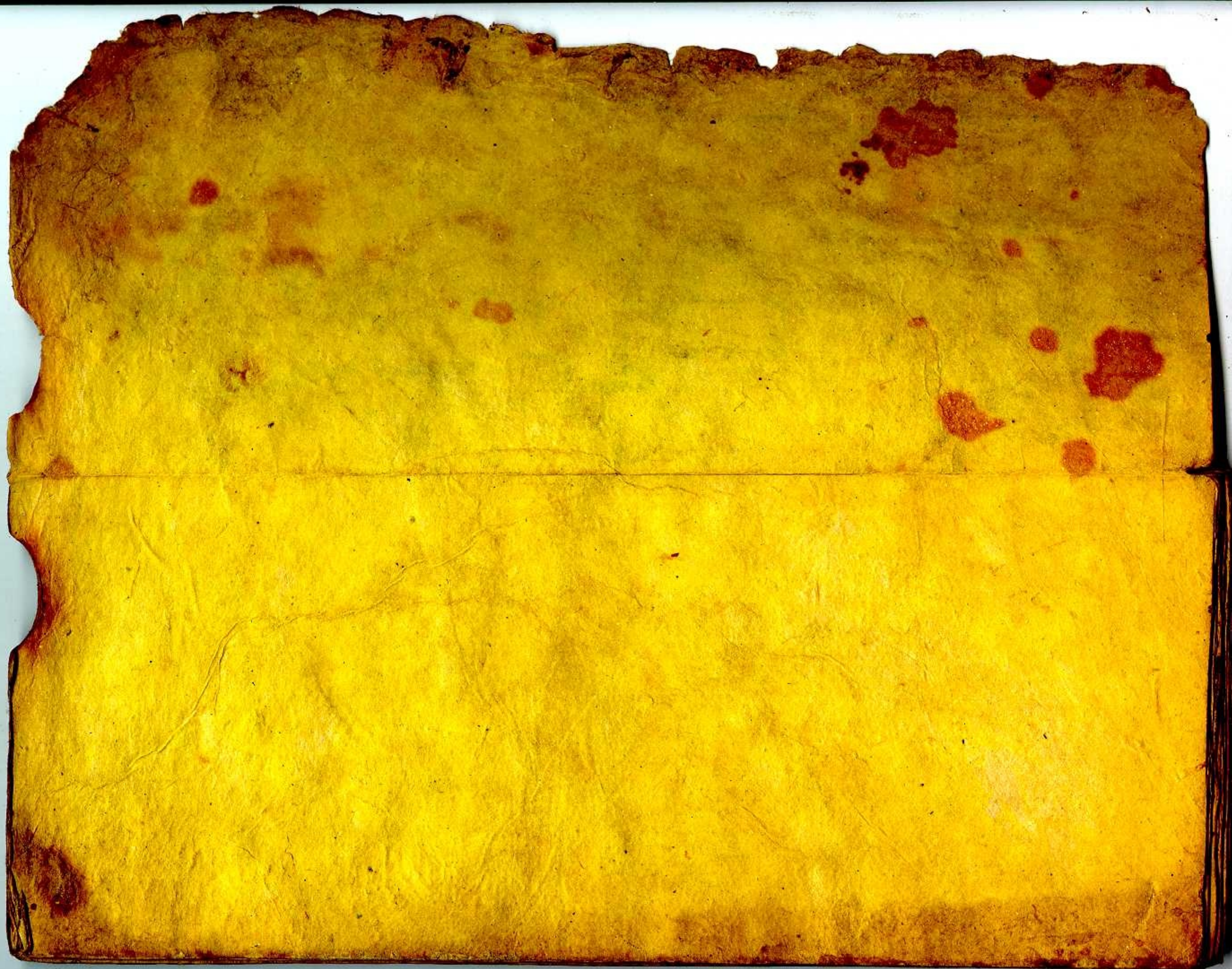


आम कक वाधि

आम कक वाधि



१४१ ग (६) भय नमः ॥ १४१ ग कृत्वा नमः ॥ ॥ १४१ कृत्वा नमः ॥ ॥ १४१ कृत्वा नमः ॥
 धमनुः ग्याल स्याया अनक ॥ विक्रडाडाना ॥ १ ॥ १४१ यिभचपुधसवैलि सर्वयिड ना
 मिनीय स्वाहा ॥ धमनुः उयपुडा कंक्रमनचासंतय ॥ विक्रना ॥ २ ॥ कक्रकाचुउड
 किदाडा, धाडा, क्रसगुयाडा, जक्रग्व १२ हाक्रमनामाल हा तुयूकायनस, याल
 विदाडा, कक्रनकानवियाडा, प्रागीया क्रस, यनक, लसुठय, सतिक्क विक्रडाडानक, स
 कायाडा, विक्रसंखाममाल, विक्रडाडख ॥ ३ ॥ उसनहा, मसु, काथयल, धनिदिहियाय,
 धनिकायाहिद ॥ ४ ॥ १४१ यलीस्वानया हा, मंस ४ मलच ग्व ३ पुआकि ग्व २० धउमसन
 पुआकिहिनागिह, गत्यंगानक, मनचग्वल १४१ जीनक १४१ ननलय, ग्लिविन, यलनय

यागयाय ॥ विक्रना ॥ ५ ॥ गिरला ककुक्, मीनकीहि, गुउगू, खया कछू, सधू, साखल
 समलाग, कलिनअमला, लंखनहास्यंगानक ॥ विषकनना ॥ ६ ॥ यादधनयाकागुरुन
 मनचग्व ३ लखनदियाडा, उडा, खडा, क्रसपगसथन, विक्रडाडावलस, विक्रना १४१ य ॥ १ ॥
 काककुक् हा, कायालस, यालविस्य, मालसगय, विक्रना ॥ ८ ॥ आदगवान्, मं १ वदियात्रुगि
 मं ७ खादुलख, चिलायनयानय ॥ १० नय, दिन ३ ॥ विक्रना ॥ ९ ॥ नीटस, यियनी, शुम्मा
 न, वंशलाचन, जीन, मसु, लवग, नअल्यच, उत्पल, आदग, यगिमंस १ साखन, मं ३ कलिन
 अमनानक, मं १ विक्रना ॥ १० ॥ गायवद्यायानया हा, कानविना, मालसद्याय, विक्रडाडाक
 यू ॥ ११ ॥ काकमगलया हा, कायालस, यालविदाडा, उकदंदसविय, विक्रना ॥ १२ ॥

रुकजील, एवं लदअनक ॥ विक्रनाग ॥ १३ ॥ गूदगू, निम्ब, रुलद, कायू, विहा, रूका, यका, क
 ट ॥ धलनअमलाअ ॥ विक्रनाग ॥ १४ ॥ शाखधु, दुनालंर, मिगसि, रूगायायिध, साखन,
 यिराधिकनभालसाक, विक्रअनरिद ॥ १५ ॥ यालद, गिरुला, निम्ब, मिही, मरु, जला, जील,
 आदग, साहन, थगिसमराग, चूर्णयादा, साखनसगयानक ॥ यिरुनअअविक्रनाग ॥ १६ ॥
 शाखधु, साहन, मरु, गुधि, गुदगू, आदग, लअत्याच, यियनी, जील, जिहाल, थगिसमरागन
 साखनसगयानक ॥ यिरुनअअविक्रनाग ॥ १७ ॥ यालद, उगि, कानवास, रुलद, विरुलद,
 जैवल, मलच, विदिहि, यियंगु, नीव, कट, विहा, थगिसमराग, विक्रनागयाहिद ॥ १८ ॥
 गूगन, रुलद, कायू, नीम, कट, विहा, रूयूका, थगिसाखनअन, थधूप, कथन, विक्रनाग ॥

१९ ॥ थगिविक्रनागया ॥ ॥ अथ अगिसानयाकाय ॥ विकट, जील, रुकजील, रू
 मून, सधू, थगिसमरागन, चूर्णयादाअ, धलनवालाअ, काक, आसगयाअनक, का
 यायागु, पलस, जूठीरू, वाग, थगिसजिअ ॥ क ॥ गुदगू, गुथी, धल, काथकाअगानक ॥ थ
 हिंमसचूर्ण ॥ रू ॥ रुद, सधू, रूमून, यूका, थगिसमरागचूर्णयादाअ, काकलखसरु
 रूगानक ॥ थलिजुजीरूया ॥ गै ॥ गिरुला, चून, धलस, कलीनअनाअ, वापानायू, मानया
 दा, जानकमाल ॥ धै ॥ मलच, गुठगु, चूनयादा, काकलखसरु, रूसंगानक ॥ वागवा
 अयानाग ॥ दै ॥ गुधि, गूदगू, चूर्णयास, मरु, काल, धलस, रूसंगानक ॥ वागवा
 यानाग ॥ वै ॥ धल, गूदअअनक, वागवाअया ॥ कै ॥ गुधि, साहन, काथ, जूसाव

हरव, जूजी र्मसंहिद ॥ ॐ ॥ उसनहा, वाल, मूरु, वाल, भाहन, गुथी, मलय, कलीनउमल
 मंसुदनक ॥ रुस, आमगुननाग ॥ ॐ ॥ गुमान, लडा, लाच, त्रयक, गान, दुमनी, मंसुधिय
 यनी, मंसुधिय ॥ ॐ ॥ साखन, मंसुधिय, कलीन, आनानक ॥ जूजी र्मगुनया ॥ ॐ ॥ खायन, साखन,
 कविम्याचसुदधदानक ॥ जूनिमन्दया ॥ ॐ ॥ रुकजीलयाचन, थलसुखास्य, नक, साहिगा
 नाग ॥ ॐ ॥ थलवकन, थलसुकात्राडानक ॥ साहिगानाय ॥ ॐ ॥ सियादू, सधूननखास्यगान,
 साहिगानाय ॥ ॐ ॥ रुनद, कूट, ॐमून, यनका, सुधू, साहाजन, गुथी, मलय, चितक ॥ थ
 गिसमलागन, चूर्णयादा, काथदास्यगानक ॥ वागगुनया ॥ ॐ ॥ गली, गुमिय, कूट, चिक
 दू, लडा, लाच, गुमान, त्रयक, गान, यागक, उसनहा, वासनद, कादकन, साखन, मंसुधालनयू

वागन, यथस्याकया ॥ ॐ ॥ रदिन, विहा, पियनी, जूनिगुस, ॐमून, गुथी, सुधू, रुनल ॥ थगिस
 मलागचूर्णयादाडा, काकदास्यगानक ॥ वागगुननाग ॥ ॐ ॥ कलीधालखना, ॐसमीन, वाल,
 ॐमून, जूवलदू, रुमक, धनिखान, समलाग, चूर्णयादा, यउमकिहिना, गीसुखास्यगानक ॥ यथक
 दडाया ॥ रुसया ॥ ॐ ॥ १ॐमून, साहाजन, गुथी, रुलद, काकलखसुगस्यगानक ॥ आमवागना
 ग ॥ ॐ ॥ हिद, राग, पियनी, राग, मलय, रा, ३, (मखान, ४जील, ४, वलवि, ४, ॐमून, ४, रुनद
 ३, चिटक, १, कूट, ५, थलिचूर्णयादाडा, यउमकिहिनागीसु, गस्यगानक, धनिगीसुगडा, थसंगडा,
 मंसुधानजूनिमन्दसु, वागसु, जूनयनागसु, यगसाग, खगुलठान, थसाडान, वधनसु, जूनिगु
 नसु, (सुसु, थगिरिद ॥ ॐ ॥ १रुलद, कष, चूर्णयाद, कलीनआनानक, कादगुदिया ॥

प ॥ पथकादलः परवानया उनीतास्य उभसनयाय ॥ ५१ ॥ कादूगयूः ५५ कादडायाउन ॥ ५२ ॥
 विकट ॥ जगिउसः हीरुः बालकाः सारुं उनः रुलदः कुगः कानिवाः गयाडाः काकलखसगस्यगान
 कः मेसु ॥ यवलखः पथकादडाया ॥ ५३ ॥ विगकः सारुं उनः बालः यियनीः मेः ५४ काकलखसगस्य
 गानक ॥ मे ॥ दवदानुः कुगः गगयूष्यः हीरुः सधूः उभखालः धनिगीसः लखनदियाडाः पथसः लय
 नै ॥ कादडादिय ॥ ५५ ॥ कादूनः थलसंकाः लः धनिगीसगस्यः क्रसवूयः ५६ लाहागसंवूयः ॥ ककुम
 उंनुक ॥ मे ॥ २ डिगहालः मलवः पुनानथः मिलः समरागः थषादुगनकिः रुहीपुलखनदिस्य गान
 क ॥ ये ॥ २ सदिवाकिनीः सयाधानः जूकगवः १ वलः कायालसः पालविमः काखायक ॥ वागया ॥ ५७ ॥
 यियनीः याहयामूषाः धान्यः शुथीविदसिमा ॥ जूजभाविजयदादिमः कयमानीसिन्धुसम्व ॥ उध्रादक

नयकः वाः जामुगूनविनः श्रुति ॥ नै ॥ यियनादि ॥ ॥ कधूनः कालसियामूनः कलीनउभनाः रुयकः
 ॥ रिदावनउभकीलडानया ॥ ५८ ॥ शुथाः मेः ५९ वषावः (गयः) हीरुः मेः २ सारुं उनः मेः ३ सधूः मेः ३ यदूयनूः
 मूनाः लखसहायः वादनमालयाः उभसल ॥ ६० ॥ रायः यियनीः साखनः कलीनउभनः नकः थनकाक
 या ॥ ६१ ॥ रुलदः कलीनउभनानकः ॥ थनडालया ॥ ६२ ॥ २ हीगुलीविषः मलवः यियनीः साहागः मेः
 यादूइसकूगविम्य गानकः हीगुनखानः (ममूगीसः) कूकुरिस्मः थनैलिः मस्याइइसदायकः डालायन
 नैहायकः पुमाननः कव ५ सादूइः कुल ३ जानन्दहेनवः लमेः कागः खागया ॥ ६३ ॥ ॥ यियनीः
 सुः विगकः हाः शुथीः सधूः दगुच्छनयाहाः गानः मेः १४ हामलः विकनः ५१ कागमालय १ लखकू २
 मावगेलः पदवागया ॥ ६४ ॥ डिहालः जागिकासः जादूइइलडादः थनीगानः कव १ माननया

दा. या धल. न गिरुह नीया मव उ विन. डि च धल ग या अ दिय. न गिरुह न क. गूलि विन. कु. (ग)
लन क. गाय सा ल ह गिन क. । ही ह ग्य न द कु. (ग) न. द न क. गृ ग न म रु य क या ग. कृ तिका या दू न य म
ग उ ॥ का ॥ कु च द नी. लो म मा खे. रु नि डा वि ग न क. । नि गू छी. का या य गु व. धू या ना द न डि चि स
॥ वि कु या खि. मा स. ह न द. बाल य गु. वा सि घा लि रु ल. ध ल स ग या अ. धू य. या य. ॥ वा ऊ स खाय य अ
या ॥ कि ॥ य सि धा री व ना डा डा. उ ना च न्द न वाल क. । द व पू ख व स कू न. डा ति के य व थ स म. ॥ सर्व
उ ल्य नि गा आ र्था य ना र्ध श उ य स दा. । द ग सा न मि द खान. सर्व यि रु वि का न नू. ॥ की ॥ मा स दू डि
ल. सा ख न. ध ल न ना र्प न स. मी स श ग ॥ कू ॥ न उ नी नि म्ब य ग लि. पिय नी म नि चो नि च. वि उ ग र उ
मू ल के स फ म ल क र या म्म ग ॥ जू जामू र्ध स पृ ष्ट की न या (ग) य थ द ति. वा नी ना नी मि द रु नि. (ग)

मू र्ध यि च्च र्ग म ध ॥ ना य ट ल रु ति. ना नी की न ल यू थ क. । उ ष च न्द य त व र्ति ४ स य नू ड म ति मि ता ॥ कू
॥ कू ट. गु थ. पिय नी. स धू. मू न. म ल च. जू न द ला. जू मि त ध वा. सा य स क. ति. क ल्क. मा रु न. चि क न.
रुं १ इ ध न गि रुं २ सा या इ इ रुं २ सा य स क ति रुं १ या ग क. ना रु. म न थी. न क च न्द न. यु ति क ष २ वा ग
या इ ध न वि क न खू न या ग थ रु ना ॥ क ॥ २ जू रु इ इ. जि त रु ल. जा ति का स रि म र्ति. इ गू रु ल. इ इ न डि
य. व य सि व रु ध न क. गूलि वि न. सा इ इ न का वू या अ न य. वि यो रु मू न या ॥ २ ग न्ध य सा ति नी. उ ना मा
मी. इ गू रु न या रु. द व दा नू. ग ज यि य नी. ग न यू थ. स धू. मू न. ग न म स उ. ध ति गि कू १ ला म ल चि.
क न कू १ सा इ इ कू १ चि क खू न ॥ पियू स या रु. न ध अ. नी ला सा क कू ना वि क. वा ग या. र्दिया. कू द यं स
क या ॥ कं ॥ ग न्ध य सा दि नी गे ल थ ॥ ॥ कू उ ल. व चि. कू ट. गु ठि. पिय ली. जी न. जू उ मा ल ॥

ॐ स्वामी लक्ष्मी ॥ थगि समराग धल न जा न मं स ३ न के ॥ थगि ॐ कृ ना ग या उरु म श
 ला ॥ ॥ काम या र व ॥ सा य मू न मं २ थगि वृ र्क्ष या दा डा जा थू य थ ल जा र्म थू न जा गि म
 या र्म ना गी न के काम न या द ल ना ग ना ण रु यि डा ॥ ॥ गिरु ला गु उ गू आ द ण क स
 ठु क स्वा दू नि म्ब पु गि क र्ष १ सा ख न क र्ष ६ क र्मी न उ म ला न के ॥ काम या द ना ग ना ण ॥
 ॥ गि के दू ॐ स्वामी न प्रियं गु पि षी न आ द ण ग उ या न थगि समराग क मि सा ख न उ म ना
 डा न के मं स ३ काम या दू या ॥ ॥ क दू क दू ला ल मू प्रियं गु स्वा क न आ द ण डी ल पु गि क
 र्ष ६ ॥ थ वृ र्क्ष स्वा दू ल ख स र्म ना न के मं ३ यि नी गु नी काम ल या दू ना ग स ही द ॥ ॥
 मू र्क ला य म ल स्वा क न म न च हा रु न पि ष्य नी पु गि क र्ष १ सा ख न क र्ष ६ क र्मी न उ म ला

न के मं ३ काम ल या दू ना ग ना ण ॥ ॥ च व क न र म ल च नि ग नि र्म दू दू स र्म ना न
 के ॥ काम ल या री द ॥ वं ध ना ग या ध य थ ॥ ॥ दाल षट् गु या दा अ मि ल ख न दि या ना न
 के ॥ वं ध ना ग ना ण ॥ ॥ मू र्क न म य वा ल ध ल स दि या ना न के ॥ वं ध ना ग ना ण ॥ ॥ गू
 उ गू मं ३ थ वृ र्क्ष या दा डा ल ख क स मि ला ग न क मि ला रु य क दा य के का वा ल स थ दा
 ना न के ॥ मू र्क न ना ण ॥ ॥ का मि दा स र्म कृ ण न र ग ग मि या दा ल ख पु १ सा दू दू १
 दा य का डा दू दू रा ग रु को ल न के ॥ थ न के मू र्क न ना ण रु डा ॥ ॥ गिरु ला मि च क सि
 का क ठु क दा मू र्क ॐ न्द्र उ व वि ग ख न ल थ ग स म रा ग न या न स दू दू स र्म ना न के ॥
 ल ख र्म ना ण ॥ न के मि दी ना ण ॥ ॥ सी ना उ न मं ६ सा ख न मं ६ क र्क ना सी या दा मं ६

पिथ्यत्री, मं१ वंशलावन, मं१ अवल, मं१ लअन, मं१ थगिगानक ॥ मूरवन्धन, शूननाश ॥
 मिहिनमंलीद ॥ ॥ यादुल, थुतुकंदियाअ, नमखान, साखल, थगिसमरागनदियाअग
 नक, मूरवन्ध, शूननाश, मिहिनमंलीद ॥ ॥ लवनखाच, शूमात्र, यागक, त्रयकशान, कं०
 सिलिया, कं०अगंअ, थगिचूर्ण, यादुअ, कलीनअलानक ॥ नक, मिहीननाश, शउ ॥ ॥
 सिनाउन, गुमवाकान, याअमसुनंअ, लसाउन, गंअ, शुरु ॥ ॥ सिलाउन, याअमसुन, नुला
 पिथिन, थगिसमरागन, पुअमकि, सिना, गीस, तयागानक ॥ नक, मिहीन, मूर, शूननाश ॥ ॥
 नमखाल, मं१, दीन, तगि, रशायूरु, सियागीस, दयाअगानक, साखन, गाना, ४ गं० माल ॥ ॥
 हंछीलदा, साविखान, यालदगीनदियाअ, गानक, वंधनागनाश ॥ ॥ जूनददा, खादनदि

याअ, पाय, मूरवंधननाश ॥ ॥ जूलंदल, दियाअ, पाय, मूरवंधन, शूननाश ॥ ॥ जूयामा
 र्जयादा, नमखान, ग्वाल, तुलसी, दिगखाल, काकलखस, दार्यगानक ॥ मूर, शूनवंधना
 श ॥ ॥ नमखाल, शूल, थियलखयू, चलनअमन, गानक ॥ मूरवंधननागनाश ॥ ॥ शू
 नं, थीयनीषयू, नमखाल, थगि, गीसी, गीस, दार्य, पाय ॥ वंधनागनाश ॥ ॥ जूध्वपिहया
 कि, विह्या ॥ दाय ॥ ॥ जील, खकन, गान, मंस ३ क, क्राणीया, लान, मंस ५ थनदियाअ, निलानमं
 गनकाअ, पुग, विय, थगि, धूनदाअ, नमजाविन, मंस ३ धनक, यिनि, शूनी, न, मदाखगि
 जूलपिहया, दयीअख ॥ ॥ जूलयू, जहिनदा, साखल, थगि, समरा, कलीनअमन, मंस ३
 खादलखन, कचूयाअनक ॥ जूध्वपिहनाश ॥ ॥ जूध्वय, शूमीन, साखन, कलीनअमना

नकं ॥ मं २ ॥ अश्वपिरुनाश ॥ ॥ अश्वयुः ॥ अमीन साखल कस्तीन अलानकं मं २ ॥ अ
श्वपिरुनाश ॥ ॥ गुदगुः ॥ गिरुला नीम्व थालद उगि साखल थगि समराग कस्तीन व
नानकं मं २ ॥ अम्वलपिरुनाश ॥ ॥ थालद शुठि नमिरवान थगि समराग लंखनवाना
नकं ॥ अंवलपिरुनाश ॥ ॥ मूरुः ॥ अंवल पिथनी अवीन द्वा दलाल र समराग सा
खल वकि असनवकि कस्तीन जालानकं मं २ ॥ अंवलपिरुनाश ॥ ॥ अंवल पाकन
शीखधु अलीन द्वा गाना ४ समराग नगि ४ साखल सदियाडा लंखनगयाडा गानक ॥ अ
म्वलपिरुनाश ॥ ॥ कनसया जामनं धायथ ॥ ॥ जील मं १ मलव मं २ रुलन मं ३ सा
खल मं ४ थगि नूर्ध्यादा कस्तीन अ न मं २ नकं ॥ कलसया ॥ ॥ अयस्मालया धाय ॥

क्रात्राद्यादि मुखनीयादाडा मलव १०७ चूर्णयादाडा क्राससुथन गिकभागनाष्ट ॥
 ॥ ॥ रुलन मूनी मं२ मलव ग्व १२ थगिलखनदियाडा उडाया क्रासद्याल सुथन ग्व
 क्रागी खडा क्राससुथन दिन ३ लाल दाडा गिकयाभाग ॥ ॥ हंसयागयादा मलव ग्व १
 थुठुकै लखसदियाडा क्राससुथन निखसंगाडा ॥ गिकभागनाष्ट ॥ ॥ डाचूजुध्वरा
 जिनी थगिलखनदिस्य क्राससुथन ॥ गिकभागनाष्ट ॥ ॥ गिकदूचून क्राससुथ
 न ॥ गिकभागनाष्ट ॥ ॥ वूनकुकरु सिवाधनिखान मनीवि थगिक्राससुथन
 जयस्माभागनाष्ट ॥ ॥ दागुयाविकिसाकाय ॥ ॥ गुलायिष्यनी थगिदियाडा
 पुष्यनर्कगुक्रु गानक दागुवाडायालाडा ॥ धल काकाडा जानक ॥ ॥ चीनस

दूदू मं १. काससथन. दा नुवाडायालद ॥ ॥ कपासया. यालनी. रुलन. काश्रुलक
 दास्य. कायाडा. दियाडा. सा दू गानक. ॥ दा नुदूयीया. लायूडा ॥ ॥ दलयावासल
 धाय ॥ ॥ ॥ काकवियाहा. मित्रखालसुविस्. दल. दयूडा ॥ काकमगलहा. मित्रखानस
 विस्. गय. दलडायूडा ॥ ॥ साहाउरनयायू. उरुलहा. नूयकन. थगिनीस. बालन.
 निडानाग ॥ ॥ कथकिनी. सधू. रूसीन. थलिदियाडा. काससथन. निडानाग ॥ ॥
 नकाकापयाधाय ॥ ॥ कोलसि. गाय. कुट. स्वर्. गल. ज्वगन्ध. साखन. पियनामू
 न. खरून. मरु. थगि. कलीन. अलानक. दिदियानाग ॥ ॥ रूसीन. लडान. नी
 याडा. कलीन. हिमिकलइदनदियाडा. पाय. ॥ दिकाडा ॥ ॥ कलिधाल. मलव. कलि.

मसधनियालडान. अलक. पाय. ॥ दिकापयालीद ॥ ॥ वागनागयालीद ॥ याडाजुद
 नयामनि. १. धव. धजागि. जू. १. यकन. य. १. थगिखून. लखरुगक. काथदास्यनि. थय. कगशका
 अय. मदनयाय. ॥ वागनाग ॥ ॥ गुदगु. आदग. दिगरुल. थगिसमराग. मंडाग
 मूय. ॥ गलीस. पिय
 लि. पियनामून. गुधि. पागक. गुम्यान. नूयकन. कुशनहा. ग्वददाकु. तान. मंस
 धल. कष. २. रूसी. यादगानक ॥ वाग. कासयालीद ॥ ॥ ॥ ॥ रुकजील. गुधि. रूसी. मून.
 पियली. थय. ग. वकि. वासियानि. वून. थमंस. जयू. नाकिय. १. आथूयाडा. आसनाला. ग
 डालनक ॥ थग. (१) थवागया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ दिदिवि. आरि. धव. धनदियाडा. वागनस्याक

धासुयाय कथनं ॥ वागना ॥ ७०५ ॥ अदल्विकन गिरुला ॥ गमसु विठकहा यन
का ॥ सुमिमीन धुनि समल गथा डायाय वागसु लीद ॥ ७०१ ॥ कोनर रुकजील खाल
विश्व (धनदिया डायाय काडायाय ॥ वागया रुला ॥ ७०६ ॥ मिकसि उययाल अगिलि
याला ॥ शुधि थगिसमल ग ॥ गमसु सुदिया डायाय वागन म्याकथस ॥ ७०२ ॥ ॥ ७०४
थवागया चिकित्साधाय ॥ ॥ दुर्दिष्टमा लुविमुष्ठा कलागिसानयवच ॥ सफ
कार्यसदोवला ॥ (गहायपदवसंघरु ॥ थनडायूडा थसाडायूडा ॥ कलमडायूडा ॥ क
नदयू यासदयू यथकूलकालानडायू ॥ धुनि ॥ गथवागया उपद ॥ कोनतिदाया
गिसु विकटू कडाआगानक ॥ ७३३ ॥ दवदानू कडा कषा पुलंदल कषा दगुच्छान

कषा ॥ शुधिकषा ॥ विकन कन ॥ ७०६ न शुधिक ॥ लखरुं ॥ ॥ गथया विकन रु
ला ॥ ७३४ ॥ अथगन्ध दिगुरुल हा आसुस्य आदित्यवालक कनीया रुय का
दुकायनन चिसंगत ॥ मडाडाआगुना ॥ ७३५ ॥ नुदिहा कनकशुदिहा थगिचूर्ण
याडाआ थलन जालाआनक ॥ मंगुना ॥ ७३१ ॥ वंदिनयाहा अथयहा साद
इनदिया डायाय ॥ मंगुना ॥ ७४१ ॥ सुमिमीन कामल लआन थगिसादुस
दिया डायाय ॥ मनाडाआगुना ॥ दियारिद ॥ याटक निम्य काकनहा सदसंख
न थगिदायकाडा ॥ दयंहा रुयक चनगिआयक ॥ मंगुना ॥ ७४३ ॥ शुधिराग
१ कालद राग २ थगि (गमसु सुदिया डायाय मंगुया लीद ॥ ७४२ ॥ रुकजील सुमन

शुधिः पियलीः थयगान वक्किः सिंघागन वक्किः पूजा किय १ जाथू याडा थय ३ अमन जास
 मं स १ ग याडा गे डालन के ॥ (अथ या ली ६ ॥ पियलीः मं ३ शुधिः मं ३ ॐ मूनः मं ३ रुक
 जीलः मं ३ जीलः मं ३ वासिद्यानिः मं १ ६ थगि वूर्त्तया दाडाः मं ३ धालः द्वाया या गुः जायल
 सग याडा न के सुथ द्वाया ॥ (अथ याः उरु मथ रुला ॥ ५४४ ॥ वासिद्यानिः मं ३ पियलीः
 मं १ पियलामूनः मं १ ॐ मूनः मं १ रुक जीलः मं १ शुधिः मं १ थूलि वूर्त्तया दाडाः मं १ जाथू
 याडाः जागिम या सी थगि सग याडा न के ॥ (अथ वाग या हि ६ ॥ ५४५ ॥ रुनलः पियलीः
 शुधिः ॐ मूनः सधु थगि सम लगः वासिद्यानिः वा ५ थगिया वूर्त्तः मं २ धालः का कलष
 सखा सी गान केः रा कगि नाडा गडा ॥ (अथ वाग या ॥ ५४६ ॥ गला का उरवति ॥ काला

विलावतिका उमाः शिव ना ग्री की चतुर्दशी का दिन बाल का पूजा गनिकन निमुति आउ नू. बाल न
 धा वूर्त्ति उरवत्या ॐ कनः अस्मी पादि गनिकन. एव वूर्त्ति का गुण तुल्या उरु सग लगः निरधा ग
 साग दारा ग वा गि माला उ. साग ग थ पा नूः मेलि संग ग कूल धूप मागु ग नूर गला महा वादि दिनु
 दि न ७ साध स म दि न २१ स म मुख वानु. बाल न तनु. ता गान वानु सूर्य को दर्शन न गनु मर्द संग
 न वलः तव गला सुक ॥ ५४७ ॥ थी की गद य वामल ॥ की पू पूजा या दा दू या गा क थु ला व की तु दा व का
 न पा ल सं गा क थु ला व थु दा व र्क उ ची का या गुं ग ल पा त स वि उ की का या गुं ना हि वि क थी काला ॥
 ५४८ ॥ काल कन अर्थ कनिमी अर्थ ॥ ॥

श्रीं
श्रीं यं छं छि पाकं नथा श्रीरापाक

कानिनास

सुनिकपिपल्यादि

श्रुते नोला १४४ श्रीरापाउ ४
द्यो नोला १४४ सुवा पाउ ४
हुन नोला २५६ मिथु पाउ ४
मिथु नोला २५६ द्यो पाउ ७
श्रीरापासा ८ सुथो नोला ८
जार्द्र फलमा ८ पिपला नोला ४
तुफला मा ८ मरिच नोला ४
जि रा मासा ८ चाको नोला २
कण्ठजिरा मा ८ चिनु नोला २
धाने आ मा ८ दालु चिनी नो २
सो प मासा ८ अलं चि नोला २
पेला मासा ८ नेज पात नो २
नीपला मा ८ नाग के दार के २

प्रदरयाकास

सुगंधवा ८ वस्त्रा माया सर्वा क्रिया
मनकादासमा ८ कौठ नोन के
विडारिकी उमा ८ अनार स्वायार सुनो
करपूर मासा ८ वाके
नागा के सा ८ श्रीस दसूया कास
नेजा पात मा ८ कंठकारि नो १
सातावरि मा ८ पपीसु नोला १
गडिबल नोला २१ धोनि नाखल या ना
सिंही नोला ३ मासा १ या मा आक
किसें जि नोला १६ सिना पंजु लानये
असो द नोला २१

आ

जेकलवंजादि

व्वाङ् गोला १
कंकोल. गो १
उसीर. गो १
भीखराड गो १
वसलोवन. १
लागाकेसर. गो १
अलंवि. गो १
दालचिभि. १
गेजपातु. गो १
मरिच. गो १
पिपला. गो १
सुद्यो. गो १
भीरकमल. गो १
जिरा. गो १
कुआजिर. गो १
मगरेला. गो १
कुआशर. गो १
पन्नकेसर १
जटासांसि १
वेल्-गोला १
सुगंधवाल् १
नंगराज. गो १
कर्पूर. गोला ॥
जाईफल १
भुंगराज. गो १
काष्मारिकेसर ॥

वेदाङ्ग सा ८

आशा शरदाथि

667

I

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो धनाननाय ॥ ॥ कनस्य गुणमूलया धर्मनिजीवसादिनी ॥ न चेतयां सर्वद
शर्वं ह्यकायसायल्लिने ॥ ॥ ग्राह्या कालाया हासना निजीवसाधिर्हि ॥ धनानि
याऽधरावनमन्त्रयासलिलसुखदुःखहानिलाकेनसेय ॥ ॥ नातिधर्ममनुकी
यजलोकसर्पयागर्हि ॥ वनातिनवाननकानयनकाडिणाउदर्थसर्पउदर्थगः
तिधननपिवसेय ॥ ॥ वानकननिदान ॥ वपथुविषमावगकल्लेष्टपत्रिसाख
ननिदानासकयसंहायमानां लोकभव ॥ कुरुयुक्तववानवकथकुरुसिग
निडा कदमदुहाचिकालअयुक्ताखादुक्ताकायकयाज्जिक्कुरुमसाक
दिहाकर्थनिपाधयाकवाहाकालउडावानकनधसगशयडा ॥ वानकनयाचिकि

सा ॥ ॥ स्वादवाददुलालम् गुणगुणधि मूलधनदास्यमानक ॥ सालपल्लिकल्लि
लिग्वखालकाथदास्यमानक ॥ गुणिदडादानदहननिकल्लिनित्रिधनदायाडानानक ॥
नकाकल्लिधमकजनसुधीधनसमगकाकदास्यमानकवानकनतास ॥ ॥ गुदगुक
र्षसुधिमसुदिगरुलमसधनकाखदायकाडानानक ॥ ॥ पित्तकनयानादि ॥ कलि
गकाकर्मदुकगतिपित्तपकयम ॥ कसमिलिकखवादवदर्थसनिडापित्तकनया ॥ ॥
पित्तयानिदान ॥ वगसिहातिसानध्यनिदास्यत्यनथमविः कल्लेष्टमूरवनासानापाकल्लि
दध्यजायन ॥ जालवगतवपनकुरुकनानवनिडा कदसिनिमनागुवयववाकिलिवयवक
थसकुरुसिसकुरुसकुरुवयवननिडाय ॥ पनाथावककगुणामुक्तादाहासवटवापित्तः
विमग्नगुणपाककयमयवव ॥ ॥ कुरुनववकुरुखात्रगल्लमकीदहथधनकाडा

(थं) निव. पासवा यडा विष्टानं मृगनं. मिखानं वृष्टं ॥ पिरु कत्रया विकिसा ॥ ॥ इलाल
 रु. शकनं घात्र मृका. धनं सम रागया स्यंगान. पीन कत्रनास ॥ दूकानस. काथपल. उरु
 लहा मृक स या कव. न क व दन. धी रवी. ॥ मि मिलि मृ ॥ का क दा स गान. पिरु कत्रनास.
 गुरुला गुरुव. पिपिलि. प्री यी गु. धनं सम रागया स्यंगान. सारवलन वा ला डानक ॥ कपा पिरु कत्रना
 स ॥ ॥ सारवल. उरुल. वंस लावन. वा यलख मिदि सि. पातक. इलाल रू पक ध. सुक म्याल.
 लवै लाव. धनं क सि न वार्न न य पिरु कत्रनास ॥ ॥ ध्रुषनादि ॥ हंस पा दा व न गानि. धर्त (ध्रु
 षय कृपन ॥ हंस दा या (थं. वल ख नि का या (थं स नि डी (ध्रुषा कन पू ल का डी ॥ (ध्रुषा या नि दा
 न ॥ न मि स्यंगानि धा गा व ग जाल स म थू ला स्यंगी. मुक मृ गे प लि व ल र्म र ति पि न थ पि वा न ॥
 ॥ ॥ दू गु न का स न मि खान लाल दि खा वि उ य डी. ह य हंस २ ध य. अ ना सि. दू गु वा क मृ क

विहानं गी यूव. कृष्ण गु. न य म य डी. गे न वं ध्य सि सु क लु लो म ह र्षा नि नि ड गी व नि त्या ग्या त्र वि
 का स क रू ड ला ध्य ड कृ ना ॥ कृष्ण गु खा दू ध व. वा कि वं य वि म क क लि व य ह स ह द २ ध व न
 चिम द सा क व व मि खा ना य (ध्रुषा स थ रं श य ॥ (ध्रुषा या वि कि सा न ॥ क र्क ता सि. ह ल द
 पि प लि. वंस लावन. अ गिय स. सम रा ग. क सि न वा ला डान क ॥ (ध्रुषा या क न मा ना स ॥ पू क
 ना म ल क ठ गि लि. गु उ. गु गु पि. पी य ती मं स ८ ध ल ल र व न न स्यंगी न क (ध्रुषा क न ना स ॥ आ दू
 दू डी धि ग डि. पि पि नि स्र ध र वि. ध र न र्म (ध्रुषा या र्म ॥ १ ॥ १ ॥ पि प लि र्म १ म ल व र्म १ ॥ ग
 व डी र्म १ वा ला व न क ॥ व ग स्या ल. क रू डी दि न ना र्म (ध्रुषा या उ र्म ॥ मि दि स पि प लि क र्क ता
 सि स म रा ग क सि न व ल न. (ध्रुषा क न ना स ॥ पि प लि. ह न द. पू क ना म ल. क न वे सि. क वं स म रा
 ग. क सि न व ल न ॥ (ध्रुषा क न ना स ॥ ॥ वा न पि रु ना सि ॥ द या ल क न म ना दि. सा म ना द द वा दि
 नी ॥ न ता २ ल क न द न का डी द द वा दि नि ना दि ध य ॥ वा न डी पि रु डी इ ल हा डी वा न पि रु ना दि ध

य॥ वागपितृनिदान॥ गृह्यसूक्तं गृह्यमादाह स्वप्ननाससिना नृजाः द्यम्हास्यपाकवमधूना
 महर्षीन्विनमः॥ यासचायुः नृगलमर्चिः वीर्यं कृतं मदभाउस्थाकः कथं कृतं गृहः
 वाकिलिवयुवः विमककलिर्वयुवः त्रिभुजमिखाहन् ॥ पर्वहृदयं शृङ्गाव्यवातपितृ
 जात्राकृतिः॥ साहानयनिं ह्यायुवाकालवयुडा॥ वागपितृयाधनं च न॥ वागपितृयाचि
 किंसात्र॥ ॥ उरुलहाष्टिः वालनकर्वदनमृकस्वकनकिंकितानममश्वास्तदास्थं
 गानक॥ वागपितृनास॥ ॥ वलसपृष्टरुतापिर्यगुपिपिलिः लवत्वाचः किलिवसस्ताः
 वनः सुकम्यालसमरागयादः कस्तिनवालाउनक॥ वागपितृनास॥ वक्षनमपिकदः
 लालम्पानकः ॥ सिमितिगुगुः सुकम्यानमसः साधनमसः कस्तिनवालाउनक
 ॥ वागपितृनास॥ ॥ बालः उरुलहास्वहनः श्रीखतुः ॥ सिमितिगुगुजालसः कृताया

ढा यसाधनकस्तिनवालनक॥ वागपितृनास॥ वंहा नावनः त्रयकणुः नर्वः इलालं तुः यान
 कः साखनकर्षः कस्तिनवालाउनक॥ वागपितृनास॥ ॥ लवत्वाचसुकम्यालयानकदि
 कगुजितरुलत्रयकष्टप्रकनामूनः समरागकस्तिनवलनक॥ वागपितृनास॥ जलाया
 नकनर्वः मनेचः पिपलिः ३ गुपिः ३ लवत्वाचः ३ सुकम्यालः ३ पानकः ३ धनवकिंसाखलव
 किं॥ वागपितृनास॥ ॥ त्रिकनः त्रिकनः ॥ आदहा नर्वत्वाचः सुकम्यालः इलालं रुः कर्कनासि
 प्रकनामूनमलचः मृकः साधनकृताया दक्षकस्तिनवाननक॥ वागपितृनास॥ ॥ वाग
 यावः ॥ धृष्यायाः ३ नानकनदतः ३ वागः ॥ धृष्यानातिः ३ य॥ वागः ॥ धृष्यानिदान॥ ॥ गेमि
 ल्यप्रवताः रुदानिडाः ॥ गेनवमववनिनाग्रहप्रतिस्थायाः कासह्यदायवर्गनीः ॥ सैनायाः मध्व
 गध्ववाकः ॥ धृष्यालाकृतिः ॥ क्रासकृः गुमिखानः नात्रवाविहायुः ३ यः साहानयनिं ह्यायुः कृमा
 गुमीलस्याकः क्रासहनः २ धाडीः मासाकववः चनतिः ३ यः कनवः ३ यः वागः ॥ धृष्यायानदः

धन॥ वाग॥ धृष्या विकित्सात्र॥ ॥ कित्हाल सुकम्याल जित्रि हके जीन द्वाली ह लवला
व पूष्कनामूनसुलाग कस्तिनवालीनक॥ वाग॥ धृष्यानास॥ द्वाली ह पूष्कनामूल के कतासि
टुक गुस्मलाग कस्तिनवालीनक॥ वाग॥ धृष्यानास॥ नालिपूष्कनामूल के कतासि ४० वसे
नीचन नवद पाग क॥ धृष्याल कूनसुलाग कस्तिनवालीनक॥ वाग॥ धृष्यानास॥ पूष्कनामूल
४० गुजव टुक गुन वलाव वसे नाचन सुकम्याल कस्तिनवालीनक॥ वाग॥ धृष्यानास॥ ॥ पि
कव॥ धृष्याव नाल कून दग डाठी पित॥ धृष्यानादि चिनस्यया॥ पित॥ धृष्यानिदान॥ त्रिकानि
कासिता माहकासात्र चिठ्ठा हृन्दाहाम् रुसितपित॥ धृष्याकना कति॥ धृष्यानास॥ कनाहन
वानिडा सत्र २ ह्यायुडा मासीक आयव त्रिमदया सवायु उगुन हं स २ धयु उगुन विहि २
उत्रिवा पित॥ धृष्याया विकित्सात्र॥ पित॥ धृष्याया विकित्सात्र॥ उरुल कूहाहाम् रुसित
काथदास्यतानक॥ पित॥ धृष्यानास॥ मूसुख कनवाली कूहाहाम् रुसित दने ४० विधि धन काकदाः

